एक्सआईएसएस • महिला समूहों की भूमिका पर दो दिवसीय कांफ्रेंस शुरू

राज्यपाल बोले -शिक्षा व्यक्ति के सशक्तीकरण का सशक्त माध्यम

सिटी रिपोर्टर | रांची

समग्र विकास के लिए महिला एवं पुरुष दोनों का सशक्त होना आवश्यक है। वर्तमान में देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू हैं, जो झारखंड राज्य की राज्यपाल भी रह चुकी हैं, महिला सशक्तीकरण का हमारे देश में एक सर्वोच्च उदाहरण प्रस्तुत करता है। शिक्षा व्यक्ति के सशक्तीकरण का सशक्त साधन है। इसलिए प्रत्येक बालिका को उचित शिक्षा मिलनी चाहिए। महिलाएं शिक्षा प्राप्त करने के प्रति जागरूक और सक्रिय हैं तथा सामाजिक और आर्थिक विकास की दिशा में अग्रसर हैं। महिला सशक्तीकरण एक वैश्विक मुद्दा है। समाज या राष्ट्र का विकास महिलाओं की सामाजिक-आर्थिक स्थिति पर निर्भर करता है। ये बातें राज्य के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने कही। वे एक्सआईएसएस रांची में पूर्वी भारत में महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण और महिला समूहों की भूमिका पर आयोजित दो दिवसीय कांफ्रेंस में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इसका आयोजन एक्सआईएसएस रांची, सी3 सक्षमा और इंडियन एसोसिएशन फॉर वुमन स्टडीज (आईएडब्ल्यूएस) की ओर से किया जा रहा है।

महिलाएं शिक्षा प्राप्त करने के प्रति जागरूक

30 शोध पत्र प्रस्तुत किए जाएंगे

एक्सआईएसएस के निदेशक डॉ. जोसफ मरियानुस कुजूर ने कहा कि महिला सशक्तीकरण जीवन के सभी क्षेत्रों में महिलाओं के सामाजिक और राजनीतिक विकास के इर्द-गिर्द घूमता है। मौके पर सी3 सक्षमा की निदेशक डॉ. अपराजिता गोगोई, आईएडब्ल्यूएस अध्यक्ष प्रो. इशिता मुखोपाध्याय, डीन एकेडमिक्स डॉ. अमर एरोन तिग्गा आदि उपस्थित रहे। 100 से अधिक पेपर और शोध कार्य के आवेदन आये थे, जिनमें से 30 का चयन किया गया।

इन विषयों पर होगी चर्चा

कांफ्रेंस में आजीविका और बाजार तक महिलाओं की पहुंच, महिलाओं के समूह, सूक्ष्म ऋण में सरकार की भूमिका, घरेलू काम, महिलाओं के बोझ को कम करने हेतु महिला समूह की संभावनाएं, इक्कीसवीं सदी के भारत में नारीवादी नेटवर्क, महिला संगठनों और महिला समूहों की संभावनाएं, शहरी महिलाओं की आर्थिक क्षमता में महिलाओं के समूह की तत्परता शामिल है।

Press - Dainik Bhaskar

एक्सआइएसएस में महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण पर सम्मेलन

महिलाएं रोजगार क्षेत्र से जुड़ें, तो देश का विकास संभव : राज्यपाल

लाइफ रिपोर्टर @ रांची

राज्य में जेएसएलपीएस महिलाओं को प्रशिक्षित कर रोजगार के मौके उपलब्ध करा रही है. इससे महिलाओं का आर्थिक विकास हो रहा है. यदि 50 प्रतिशत महिलाएं रोजगार के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ जायें, तो देश का विकास संभव है. देश के समग्र विकास के लिए महिला और पुरुष दोनों का सशक्त होना जरूरी है. उक्त बातें राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने कहीं. वह एक्सआइएसएस, दी इंडियन एसोसिएशन फॉर वीमेन स्टडीज, सेंटर फॉर कैटलाइजिंग चेंज (सीथ्री) और बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन की ओर से आयोजित सम्मेलन में बोल रहे थे.

एक्सआइएसएस में दो दिवसीय सम्मेलन की शुक्रवार को शुरुआत हुई. इसका विषय पूर्वी भारत में महिलाओं का आर्थिक सशक्तीकरण और महिला समूहों की भूमिका है. इस मौके पर विषय प्रवेश करते हुए एक्सआइएसएस के निदेशक डॉ जोसेफ मरियानुस कुजूर एसजे ने कहा कि महिलाओं का विकास समाज के लिए एक चुनौतीपूर्ण विषय रहा है. सभी संस्थान एकजुट होकर महिलाओं के विकास में सहयोग करें, तो सामाजिक, सांस्कृतिक और शैक्षणिक उन्नति संभव है.

कार्यक्रम के दौरान स्मारिका का विमोचन करते राज्यपाल व अन्य.

पैनल डिस्कशन में शोधपत्र पेश किये गये

दूसरे सत्र में विभिन्न सामाजिक संस्थानों से जुड़े शोधार्थियों ने पेपर प्रस्तुत किया. जिसमें आजीविका और बाजार तक महिलाओं की पहुंच, महिलाओं के समूह, सूक्ष्म ऋण में सरकार की भूमिका, एजेंसी, अधिकारिता और महिला समूह, महिलाओं और उनके समूहों की क्षमता बढ़ाने के लिए डिजिटल व वित्तीय समावेशन, अवैतनिक देखभाल, घरेलू काम और समय की कमी : महिलाओं के बोझ को कम करने के लिए महिला समूह की संभावनाएं, 21वीं सदी के भारत में नारीवादी नेटवर्क जैसे विषय शामिल थे. इस अवसर पर मनीष कुमार साहू ने आदिवासी महिलाओं की कारीगरी से मॉडल गांव की परिकल्पना, तनुश्री महतो ने महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण में एसएचजी की भूमिका, डॉ प्रगति ने जंगल युक्त जीविका में महिलाओं की स्थिति जैसे विषयों पर अपनी बातें रखीं. इस अवसर पर सेंटर फॉर कैटलाइजिंग चेंज (सीथ्री) की कार्यकारी निदेशक डॉ अपराजिता गोगोई, दी इंडियन एसोसिएशन फॉर वीमेंस स्टडीज (आइएडब्लूएस) की अध्यक्ष प्रो इशिता मुखोपाध्याय, बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन के प्रतिनिधि हरि मेनन और डॉ मैथ्यू कॉब समेत अन्य मौजूद थे.

राज्यपाल से मिलीं राय विवि की कुलपति

रांची. राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन से शुक्रवार को झारखंड राय यूनिवर्सिटी, रांची की कुलपति प्रो सविता सेंगर ने राजभवन में भेंट की. इस शिष्टाचार भेंट में कुलपति ने विवि की शैक्षणिक और प्रशासनिक गतिविधियों से अवगत कराया.

Press- Prabhat khabar

Need to equip women with education and skills to contribute to the economy, society and family: Governor

Xavier's Institute of Social Service (XISS), C-3 Sakshamka and Indian Association for Women's Studies (IAWS) on the economic status of women in eastern India...

news wrap ● Hindustan Team, Ranchi

Fri, 17 Mar 2023 08:00 PM

read on the app

follow us

Ranchi, Chief Correspondent.
A two-day conference on economic empowerment of women and role of women's groups in eastern India, organized by Xavier

Press - Hindustan

हम महिलाओं को सशक्त बनाने की राह पर, और सुधार की जरूरत...

जासं, रांची : जेवियर समाज सेवा संस्थान रांची, सी3 सक्षमा और इंडियन एसोसिएशन फार वीमेन स्टडीज के संयुक्त प्रयास से 17 और 18 मार्च को पूर्वी भारत में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और महिला समूहों की भूमिका पर दो-दिवसीय कांफ्रेंस आयोजित होगा। यह कांफ्रेंस बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन द्वारा प्रायोजित है। राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन कांफ्रेंस के मुख्य अतिथि होंगे। वहीं वाक्स बैक कलेक्टिव्स यूएसए के संस्थापक डा. मैथ्यू काब उदघाटन भाषण देंगे। इसे लेकर गुरुवार को एक्सआईएसएस में एक प्रेस कांफ्रेंस आयोजित की गई। जहां एक्सआईएसएस के निदेशक डा. जोसफ मरियानुस कुजूर एसजे ने कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा हमने कुछ दिन पहले अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया है। सभी क्षेत्रों में महिलाओं को सशक्त बनाने की सख्त जरूरत है।

Press - Dainik Jagran

WOMEN TODAY NEED TO BE EQUIPPED WITH EDUCATION AND SKILLS TO CONTRIBUTE TO THE ECONOMY, SOCIETY, AND FAMILY: GOVERNOR

Two-day conference on Economic Empowerment of Women and Role of Women's Collectives in Eastern India begins at XISS

PNS : Ranchi

Xavier Institute of Social Service (XISS), Ranchi, Centre for Catalyzing Change (C3 Sakshama), and Indian Association for Women's Studies (IAWS) jointly inaugurated its two-day conference on "Economic Empowerment of Women in East India and the Role of Women's Collectives" on Friday in XISS Campus. This conference is sponsored by Bill & Melinda Gates Foundation.

Governor, C.P. Radhakrishnan was the chief guest of the conference and in his address he quoted, "Yatra Naryastu pujyante! Ramante tatra Devata! (Where women are respected, God lives in their home.)" He highlighted that it is a proud moment for the country that President Droupadi Murmu, the former Governor of Jharkhand and who still resides in the hearts of people here is a supreme example of women empowerment that is getting utmost priority in our country.

The Governor said, "Women have adorned high positions in ancient times. Gender equality, gender mainstreaming, leadership and financial freedom are the essential aspects of women empowerment and Prime Minister Shri Narendra Modi's Beti Bachao Beti Padhao' scheme in this direction to improve the child sex ratio and girl child education across the country."

Highlighting how education is the only powerful tool for empowerment of an individual, he said that every girl child getting proper education is imperative. Citing the status of women in Eastern India, the Governor appreciated the remarkable strides in development indicators over the last few years especially in the states of Jharkhand, Bihar, Chhattisgarh, and Odisha. He also appreciated the crucial efforts of Women's Collectives and Self-Help Groups (SHGs) in advancing gender equality, promoting women's empowerment and the impact of SHGs on economic development in Jharkhand which has been significant.

Governor CP Radhakrishnan alongwith others releases brochures during Two-day conference on Economic Empowerment of Women and Role of Women's Collectives in Eastern India, in Ranchi on Friday. Pix by Ratan Lal

He further stated that empowering women has a multiplier effect for increasing economic growth and development. As per World Bank report, 2022, it is said that India could boost its growth by 1.5 percentage points per year if just 50 per cent of women could join the workforce. At 14.9 per cent, the present Lok Sabha has the highest number of women since 1952 and over 44 per cent seats in local bodies are occupied by women. SHGs cover about 8.35 crore women, many of whom are leading their federations, and are in leadership positions.

Director XISS, Dr Joseph Marianus Kujur earlier addressed the house with his inaugural speech, emphasising the issue of women's empowerment. He said, "Women's empowerment revolves around the social, economic, and political development of women in all arenas of life. Women's active participation is imperative as an integral part of the decision-making body. XISS identifies with the need for women empowerment and even spells it out in its vision and mission statements. Our aim with this conference is to initiate a dialogue amongst the policy makers. XISS has taken this initiative to take the case of women empowerment as not just a knowledge disclosure but as a campaign." In his concluding lines, he stated that 'real women's empowerment is turning crisis into possibilities and dreams into reality.' Mathew Cobb, Founder, Walks Back to Collectives, USA in the inaugural address said that USA being a capitalist country, still lag in delivering equal rights for women and men. He highlighted the importance of motherhood, that women should not be crowned with motherhood only but should also have an equal role in the family. He concluded by adding that there are possibilities for women to progress, but the process of progress requires to be awakened.

More than 100 papers and research works were submitted for this conference, out of which 30 were chosen. During the two-day conference, these papers will be discussed in several panel sessions highlighting the importance of the conference.

Press - Pioneer

Women need to be equipped with education and skills: Governor

RANCHI: Xavier Institute of Social Service (XISS), Ranchi, Centre for Catalyzing Change (C3 Sakshama), and Indian Association for Women's Studies (IAWS) jointly inaugurated its two-day conference on "Economic Empowerment of Women in East India and the Role of Women's Collectives" on Friday in XISS Campus. This conference is sponsored by Bill & Melinda Gates Foundation.

Governor, Jharkhand, C.P. Radhakrishnanwas the chief guest of the conference said,"Yatra Naryastu pujyante!Ramante tatra Devata!", meaning where women are respected, God lives in their home. He highlighted that is a proud moment for the country that President, Droupadi Murmu, the former Governor of Jharkhand and who still resides in the heart of people here is a supreme example of women empowerment that is getting utmost priority in our country. Governor in his address apprised and said, "Women have adorned high position in ancient times. Gender equality, gender mainstreaming, leaderships and financial freedom are the essential aspects of women empowerment and Prime Minister Narendra Modi's

Beti Bachao Beti Padhao' scheme in this direction to improve the child sex ratio and girl child education across the country."

Highlighting how education is the only powerful tool for empowerment of an individual, he said that every girl child getting proper education is imperative. Citing the status of women in Eastern India, Governor appreciated the remarkable strides in development indicators over the last few years especially in the states of Jharkhand, Bihar, Chhattisgarh, and Odisha. He also appreciated the crucial efforts of Women's Collectives and Self-Help Groups (SHGs) in advancing gender equality, promoting women's empowerment and the impact of SHGs on economic development in Jharkhand which has been significant. He further stated that empowering women have a multiplier effect for increasing economic growth and development. As per World Bank report, 2022, it is said that India could boost its growth by 1.5 percentage points per year if just 50% of women could join the workforce. At 14.9%, the present Lok Sabha has the highest number of women since 1952 and over 44% seats in local bodies are occupied by women. SHGs cover about 8.35 crore women, many of whom are leading their federations, and are in leadership positions.Governor also said that the need of the hour is to create an enabling environment that moves women along the spectrum of independent women and girls equipped with education and skills to contribute to the economy, society, and family. "I hope this conference will be a catalyst for further action and collaboration towards achieving economic empowerment for women in East India and look forward to the outcome coming out of the deliberations and presentations from this National Conference,"he added.

He earlier quoted Swami Vivekananda, and said, "There is no chance for the welfare of the world unless the condition of women is improved, it is not possible for a bird to fly on only one wing."

Director XISS, Dr Joseph Marianus Kujur SJ earlier addressed the house with his inaugural speech, emphasising the issue of women's empowerment. He said, "Women's empowerment revolves around the social, economic, and political development of women in all arenas of life. Women's active participation is imperative as an integral part of the decision-making body. XISS identifies with the need of women empowerment and even spells it out in its vision and mission statements. Our aim with this conference is to initiate a dialogue amongst the policy makers. XISS has taken this initiative to take the case of women empowerment as not just a knowledge disclosure but as a campaign." In his concluding lines, he stated that 'real women's empowerment is turning crises into possibilities and dreams into reality.'

The conference was also attended by Dean Academics, XISS, Dr Amar Eron Tigga, Heads of all Programmes of XISS, Faculty, Representatives of C3 Sakshama, IAWS, Academicians, Practitioners, Alumni, Staff and, Students of XISS.

Press - Morning India

Governor of Jharkhand
@jhar_governor

माननीय राज्यपाल ने आज एक्सआईएसएस, राँची में 'पूर्वी भारत में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और महिला समूहों की भूमिका' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित किया।
उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण हेतु महिलाओं का सामाजिक-आर्थिक-शैक्षणिक विकास होना नितांत आवश्यक है।

7:31 PM · Mar 17, 2023 · **2,400** Views

Press - Twitter

Description

XISS में महिला सशक्तिकरण को लेकर दो दिवसीय कार्य्रकम, महिलाओं की आर्थिक स्थिति को लेकर हुई चर्चा

2	76	Mar 17
Likes	Views	2023

#Samacharplusjharkhand #SamacharplusBihar #Sama

About this Video :- रांची के XISS में महिला सशक्तिकरण को लेकर दो दिवसीय कार्य्रकम, महिलाओं की आर्थिक स्थिति को लेकर हुई चर्चा

Press - You Tube

आर्थिक सशक्तिकरण व महिला समूहों की भूमिका विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित

महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं महिलाएं : राज्यपाल

रांची(हि.स)। राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि हमारे देश की महिलाएं प्रगति के हर क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं और अपने उल्लेखनीय योगदान से देश-विदेश में नाम रोशन कर रही हैं। वे शुक्रवार को पूर्वी भारत में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और महिला समूहों की भूमिका विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। सम्मेलन का आयोजन जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल सर्विस (एक्स-आईएसएस) में सेंटर फॉर कैटलाइजिंग चेंज (सी3), जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल सर्विस (एक्स आईएसएस) एवं

द इंडियन एसोसिएशन फॉर वोमेंस स्टडीज (आईए डब्लूएस) ने संयुक्त रूप से किया। राज्यपाल ने कहा कि शिक्षा व्यक्ति के सशक्तिकरण का सशक्त साधन है। इसलिए प्रत्येक बालिका को उचित शिक्षा मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि एक लड़का शिक्षा प्राप्त करता है, तो वह अकेला शिक्षित होता है लेकिन अगर किसी परिवार में एक लड़की शिक्षा ग्रहण करती है, तो पूरे परिवार को लाभ होता है। लैंगिक भेदभाव के उन्मूलन और बालिका शिक्षा में सुधार के लिए बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना महत्वपूर्ण है। सम्मेलन को जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल सर्विस (एक्स-आईएसएस) के निदेशक डॉ. जोसेफ एम. कुजूर, सेंटर फॉर कैटलाइजिंग चेंज (सी3) की कार्यकारी निदेशक डॉ. अपराजिता गोगोई, द इंडियन एसोसिएशन फॉर वोमेंस स्टडीज (आईए डब्लूएस) की अध्यक्ष प्रो. इशिता मुखोपाध्याय आदि ने भी संबोधित किया।

Press - Punch

सामाजिक, सांस्कृतिक और शैक्षणिक लोकाचार प्रणाली की रीढ़ रही हैं महिलाएं : राज्यपाल

- 'पूर्वी भारत में महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण और महिला समूहों की भूमिका' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में बोल रहे थे सी पी राधाकृष्णन

फ्रीडम फाइटर संवाददाता

रांची : राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने कहा है कि हमारे इतिहास में कई ऐसी महिलाओं का उल्लेख मिलता है, जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में कीर्तिमान स्थापित किये। आज हमारे देश की महिलाएं प्रगति के हर क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं और अपने उल्लेखनीय योगदान से देश-विदेश में नाम रौशन कर रही हैं। उन्होंने कहा कि हमारी प्राचीन सभ्यता-संस्कृति में भी महिलाओं का बहुत आदर व सम्मान था। महिलाएं सदैव हमारे सामाजिक, सांस्कृतिक और शैक्षणिक लोकाचार प्रणाली की रीढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि समग्र विकास के लिए महिला एवं पुरुष; दोनों का सशक्त होना नितांत आवश्यक है। राज्यपाल शुक्रवार को जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल सर्विस (एक्सआईएसएस), रांची में सेंटर फॉर कैटलाइजिंग चेंज (सी3), जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल सर्विस (एक्सआईएसएस) एवं द इंडियन एसोसिएशन फॉर वोमेंस स्टडीज (आईएडब्लूएस) द्वारा संयुक्त रूप से 'पूर्वी भारत में महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण और महिला समूहों की भूमिका' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वर्तमान में देश के राष्ट्रपति पद को श्रीमती द्रौपदी मुर्मू, जो झारखण्ड राज्य की राज्यपाल भी रह चुकी हैं और यहां के लोगों के हृदय में हैं, द्वारा सुशोभित करना महिला सशक्तीकरण का हमारे देश में एक सर्वोच्च उदाहरण प्रस्तुत करता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यक्ति के सशक्तीकरण का सशक्त साधन है। इसलिए प्रत्येक बालिका को उचित शिक्षा मिलनी चाहिए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा महिला सशक्तीकरण की दिशा में लैंगिक भेद-भाव के उन्मूलन और बालिका शिक्षा में सुधार हेतु ह्यबेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजनाह्न महत्त्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि हर्ष का विषय है कि महिलाओं की समग्र स्थिति में सुधार हो रहा है। वे शिक्षा प्राप्त करने के प्रति जागरूक और सक्रिय हैं तथा सामाजिक और आर्थिक विकास की दिशा में अग्रसर हैं। महिलाओं की जागरूकता हमारे देश व समाज के लिए शुभ संकेत है। राज्यपाल ने कहा कि महिला सशक्तीकरण एक वैश्विक मुद्दा है। समाज या राष्ट्र का विकास महिलाओं की सामाजिक-आर्थिक स्थिति पर निर्भर करता है। झारखंड में महिला सशक्तीकरण और आर्थिक विकास पर स्वयं सहायता समूहों का प्रभाव महत्त्वपूर्ण रहा है।

उक्त अवसर पर जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल सर्विस (एक्सआईएसएस) के निदेशक डॉ. जोसेफ एम. कुजूर, सेंटर फॉर कैटलाइजिंग चेंज (सी3) की कार्यकारी निदेशक डॉ. अपराजिता गोगोई, द इंडियन एसोसिएशन फॉर वोमेंस स्टडीज (आईएडब्लूएस) की अध्यक्षा प्रो. इशिता मुखोपाध्याय आदि ने भी इस राष्ट्रीय सम्मेलन को सम्बोधित किया।

Press - Freedom Fighter

एक्सआईएसएस में आयोजित वूमेन इंप्रूवमेंट पर कार्यक्रम

महिला सशक्तीकरण पर राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने दिया जोर

GANDIV REPORTER

रांची। एक्सआईएसएस में आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम में राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने महिला सशक्तीकरण पर जोर दिया। अपने संबोधन में कहा कि महिलाओं को समानता का अधिकार है। महिलाओं के उत्थान व उन्हें आत्मनिर्भर बनाने लिए उनके लिए काम करना होगा। इससे पहले राज्यपाल ने इकोनॉमिक एंपावरमेंट ऑफ वूमेन इन ईस्ट इंडिया एंड द रोल ऑफ वूमेंस कलेक्टिव्स विषय पर शोध पत्र प्रजेंटेशन कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम 2 दिनों तक चलेगा, जिसमें वूमेन इंप्रूवमेंट पर शोध पत्रों का प्रेजेंटेशन किया जाएगा। इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता अमेरिका से आए हुए हैं। वहीं भारत के 4 राज्य ओड़िशा, बिहार, छत्तीसगढ़ और झारखंड के शोधार्थी इसमें भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम में एक्सआईएसएसस के छात्र एवं शिक्षक भी हिस्सा ले रहे हैं।

Press - Birsa ka Gandiv

आजाद सिपाही

महिलाओं को आज अर्थव्यवस्था, समाज और परिवार में योगदान देने के लिए शिक्षा और कौशल से लैस करने की आवश्यकता है: राज्यपाल

पूर्वी भारत में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और महिला समूहों की भूमिका पर दो-दिवसीय कांफ्रेंस एक्सआइएसएस में शुरू

इस कांफ्रेंस के विषय हैं:

आजीविका और बाजार तक महिलाओं की पहुंच: महिलाओं के समूह, सूक्ष्म ऋण में सरकार की भूमिका
एजेंसी, अधिकारिता और महिला समूह
महिलाओं और उनके समूहों की क्षमता बढाने हेतु के लिए डिजिटल और वित्तीय समावेशन
अवैतनिक देखभाल, घरेलू काम और समय की कमी: महिलाओं के बोझ को कम करने हेतु महिला समूह की संभावनाएँ
इक्कीसवीं सदी के भारत में नारीवादी नेटवर्क, महिला संगठनों और महिला समूहों की संभावनाएं
शहरी महिलाओं की आर्थिक क्षमता में महिलाओं के समूह की तत्परता
इस कांफ्रेंस में डीन एकेडमिक्स, एक्सआईएसएस, डॉअमर एरोन तिग्गा, एक्सआईएसएस के सभी कार्यक्रमों के प्रमुख, फैकल्टी, सी3सक्षमा, आईएडब्ल्यूएसके प्रतिनिधि, शिक्षाविद, प्रैक्टिशनर, एलुमनाई, स्टाफ और एक्सआईएसएस के छात्र भी शामिल हुए।

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते! रमन्ते तत्र देवता! अर्थात, ₹जहां महिलाओं का सम्मान होता है, भगवान उस घर में वास करते हैं। यह देश के लिए गर्व का क्षण है कि माननीय राष्ट्रपति, श्रीमती द्रौपदी मुर्मू, झारखंड की पूर्व राज्यपाल और जो अभी भी यहां के लोगों के दिल में बसती हैं, महिला सशक्तिकरण का एक उत्तम उदाहरण है जो हमारे देश के सर्वोच्च पद को सुशोभित कर रहीं हैं। प्राचीन सभ्यता में नारियां उच्च पदों पर विराजमान थीं। लैंगिक समानता, लैंगिक मुख्य धारा, नेतृत्व और वित्तीय स्वतंत्रता जैसे विषय महिला सशक्तिकरण के आवश्यक पहलू हैं और माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'बेटी बचाओ बेटी पढाओ' योजना, इसी दिशा में देश भर में बाल लिंग अनुपात और बालिका शिक्षा में सुधार करने के लिए प्रयासरत है, झारखंड के राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन ने पूर्वी भारत में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और महिला समूहों की भूमिका पर आयोजित एक कांफ्रेंस के अपने मुख्य अतिथि संबोधन मेंये बातें कहीं।

जेवियर समाज सेवा संस्थान (एक्सआइएसएस) , रांची,सी3सक्षमा, और इंडियन एसोसिएशन फॉर वुमन स्टडीज (आइएडब्ल्यूएस) ने संयुक्त रूप से यह दो-दिवसीय कांफ्रेंस का आयोजन शुक्रवार को एक्सआइएसएस में किया है। यह कांफ्रेंस बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन द्वारा प्रायोजित है।

किसी व्यक्ति के सशक्तिकरण के लिए शिक्षा किस प्रकार एकमात्र शक्तिशाली तरीका है, इस पर प्रकाश डालते हुए माननीय राज्यपाल ने कहा कि, प्रत्येक बालिका को उचित शिक्षा प्राप्त करना अनिवार्य है। पूर्वी भारत में महिलाओं की स्थिति का हवाला देते हुए, माननीय राज्यपाल ने पिछले कुछ वर्षों में विशेष रूप से झारखंड, बिहार, छत्तीसगढ़ और ओडिशा राज्यों में विकास संकेतकों में उल्लेखनीय प्रगति की सराहना की। उन्होंने लैंगिक समानता को आगे बढ़ाने, महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने और झारखंड में आर्थिक विकास पर एसएचजी के प्रभाव को महत्वपूर्ण बनाने के लिए महिला समूह और स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के महत्वपूर्ण प्रयासों की भी सराहना की।

उन्होंने आगे कहा कि आर्थिक वृद्धि और विकास को बढ़ाने के लिए महिलाओं को सशक्त करना आवश्यक है। विश्व बैंक की रिपोर्ट2022 के अनुसार, यह कहा जाता है कि भारत प्रति वर्ष 1.5 प्रतिशत अंकों की वृद्धि को बढ़ावा दे सकता है यदि केवल 50% महिलाएं कार्यबल में शामिल हों । वर्तमान लोकसभा में 14.9% पर, 1952 के बाद से महिलाओं की संख्या सबसे अधिक है और स्थानीय निकायों में 44% से अधिक सीटों पर महिलाओं का कब्जा है। एसएचजी में लगभग 8.35 करोड़ महिलाएं शामिल हैं, जिनमें से कई अपने समूहों का नेतृत्व कर रहीहैं।

माननीय राज्यपाल ने यह भी कहा कि आज समय की आवश्यकता है, एक सक्षम वातावरण बनाने की है जो महिलाओं को अर्थव्यवस्था, समाज और परिवार में योगदान देने के लिए शिक्षा और कौशल से लैस करे। ₹यह सम्मेलन शिक्षाविदों और चिकित्सकों की एक कामयाब सोच को एक साथ लाता है जो इस विषय पर गहन विचार-विमर्श कर सकते हैं। यह सम्मेलन पूर्वी-भारत में महिलाओं के लिए आर्थिक सशक्तिकरण प्राप्त करने की दिशा में आगे की कार्रवाई और सहयोग के लिए एक उत्प्रेरक होगा।

उन्होंने स्वामी विवेकानंद के विचार को भी कहा कि, जब तक महिलाओं की स्थिति में सुधार नहीं होता है, तब तक दुनिया के कल्याण का कोई मौका नहीं है, एक पक्षी के लिए केवल एक पंख पर उड़ना संभव नहीं है।

इससे पहले, उद्घाटन कार्यक्रम में एक्सआईएसएस के निदेशक, डॉ जोसफ मरियानुस कुजूर एसजे ने अपने भाषण के साथ महिला सशक्तिकरण के मुद्दे पर जोर देते हुए सदन को संबोधित किया। उन्होंने कहा, ह्महिला सशक्तिकरण जीवन के सभी क्षेत्रों में महिलाओं के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक विकास के इर्द-गिर्द घूमता है। संस्थान महिला सशक्तिकरण की आवश्यकता की पहचान करता है और यहां तक कि हमनें अपने विजन और मिशन स्टेटमेंट में भी यह दशार्या है। इस कांफ्रेंस के साथ हमारा उद्देश्य नीति निमार्ताओं के बीच एक संवाद शुरू करना है। एक्सआईएसएस ने महिला सशक्तिकरण के मुद्दे को एक अभियान के रूप में लेने के लिए यह पहल की है। 'असली महिला सशक्तिकरण, संकट को संभावनाओं मेंऔर सपनों को हकीकत में बदलना है।'

मैथ्यू कॉब, संस्थापक, वॉक्स बैक टू कलेक्टिव्स, यूएसए ने उद्घाटन भाषण में कहा कि यूएसए एक पूंजीवादी देश होने के नाते, अभी भी महिलाओं और पुरुषों के लिए समान अधिकार देने में पीछे है। उन्होंने मातृत्व के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि महिलाओं को केवल मातृत्व का ताज नहीं पहनाना चाहिए, बल्कि परिवार में भी उनकी बराबरी की भूमिका होनी चाहिए। उन्होंने यह कहते हुए निष्कर्ष निकाला कि महिलाओं की प्रगति की असीम संभावनाएं हैं, लेकिन प्रगति की प्रक्रिया को जागृत करने की आवश्यकता है।

इस बीच, सी3सक्षमा की निदेशक डॉ अपराजिता गोगोई ने पिछले 35 वर्षों से जमीनी स्तर पर ध्यान केंद्रित करके महिलाओं के जीवन को बेहतर बनाने में संस्था के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने पूर्वी भारत के महिला समूहों पर जोर देने की जरूरत बताई और उनके समग्र विकास के लिए महिला सशक्तिकरण पर जोर दिया।

प्रो. इशिता मुखोपाध्याय, अध्यक्ष, आईएडब्ल्यूएस ने साक्ष्य-आधारित अध्ययन और शोध के माध्यम से चार राज्यों बिहार, झारखंड, उड़ीसा और छत्तीसगढ़ में महिलाओं के अनुभवों को समझने के लिए इस सहयोग और संवाद की आवश्यकता पर बल दिया।

सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य पूर्वी भारतमें महिलाओं को सक्षम बनाने के लिए काम कर रहे महिला समूहों के साक्ष्य और कार्यक्रम संबंधी अनुभवों को साझा करने के लिए एक मंच को देना है। इसके अलावा,संबंधित शैक्षणिक संस्थानोंऔर राज्य सरकारों के बीच निम्न-आय वाले राज्यों में महिला समूहों की भूमिका पर संवाद शुरू करना भी इस कांफ्रेंस का उद्देश्य है। इस सम्मेलन के लिए 100 से अधिक पेपर और शोध कार्य के आवेदन आये थे, जिनमें से 30 का चयन किया गया। दो-दिवसीय इस कांफ्रेंस के दौरान कई पैनल सत्रों में इन पेपर्स पर चर्चा की जाएगी।राज्यपाल एवं उपस्थित अतिथियों द्वारा सम्मेलन की स्मारिका का विमोचन भी किया गया।

Press - Aazad Sipahi

एक्सआईएसएस में वूमेन इंप्रूवमेंट पर कार्यक्रम, महिला सशक्तीकरण पर राज्यपाल का जोर

by **Lagatar News** — 17/03/2023

Ranchi : एक्सआईएसएस में आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम में राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने महिला सशक्तीकरण पर जोर दिया. अपने संबोधन में कहा कि महिलाओं को समानता का अधिकार है. महिलाओं के उत्थान व उन्हें आत्मनिर्भर बनाने लिए उनके लिए काम करना होगा. इससे पहले राज्यपाल ने इकोनॉमिक एंपावरमेंट ऑफ वूमेन इन ईस्ट इंडिया एंड द रोल ऑफ वूमेंस

Press - Lagatar

राष्ट्रीय सम्मेलन में बोले राज्यपाल – हर क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं महिलाएं

राँची

March 17, 2023 Social News Search

Leave A Comment

रांची : राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि हमारे देश की महिलाएं प्रगति के हर क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं और अपने उल्लेखनीय योगदान से देश-विदेश में नाम रोशन कर रही हैं. वे शुक्रवार को पूर्वी भारत में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और महिला समूहों की भूमिका विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे.

एक्सआईएसएस में हुआ आयोजन

सम्मेलन का आयोजन जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल सर्विस (एक्सआईएसएस) में सेंटर फॉर कैटलाइजिंग चेंज (सी3), जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल सर्विस (एक्सआईएसएस) एवं द इंडिय एसोसिएशन फॉर वोमेंस स्टडीज (आईएडब्लूएस) ने संयुक्त रू किया.

Press - Social Research

एक्सआइएसएस में महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण पर सम्मेलन

महिलाएं रोजगार क्षेत्र से जुड़ें, तो देश का विकास संभव : राज्यपाल

लाइफ रिपोर्टर @ रांची

राज्य में जेएसएलपीएस महिलाओं को प्रशिक्षित कर रोजगार के मौके उपलब्ध करा रही है. इससे महिलाओं का आर्थिक विकास हो रहा है. यदि 50 प्रतिशत महिलाएं रोजगार के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ जायें, तो देश का विकास संभव है. देश के समग्र विकास के लिए महिला और पुरुष दोनों का सशक्त होना जरूरी है. उक्त बातें राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने कहीं. वह एक्सआइएसएस, दी इंडियन एसोसिएशन फॉर वीमेन स्टडीज, सेंटर फॉर कैटलाइजिंग चेंज (सीश्री) और बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन की ओर से आयोजित सम्मेलन में बोल रहे थे.

एक्सआइएसएस में दो दिवसीय सम्मेलन की शुक्रवार को शुरुआत हुई. इसका विषय पूर्वी भारत में महिलाओं का आर्थिक सशक्तीकरण और महिला समूहों की भूमिका है. इस मौके पर विषय प्रवेश करते हुए एक्सआइएसएस के निदेशक डॉ जोसेफ मरियानुस कुजूर एसजे ने कहा कि महिलाओं का विकास समाज के लिए एक चुनौतीपूर्ण विषय रहा है. सभी संस्थान एकजुट होकर महिलाओं के विकास में सहयोग करें, तो सामाजिक, सांस्कृतिक और शैक्षणिक उन्नति संभव है.

कार्यक्रम के दौरान स्मारिका का विमोचन करते राज्यपाल व अन्य.

पैनल डिस्कशन में शोधपत्र पेश किये गये

दूसरे सत्र में विभिन्न सामाजिक संस्थानों से जुड़े शोधार्थियों ने पेपर प्रस्तुत किया. जिसमें आजीविका और बाजार तक महिलाओं की पहुंच, महिलाओं के समूह, सूक्ष्म ऋण में सरकार की भूमिका, एजेंसी, अधिकारिता और महिला समूह, महिलाओं और उनके समूहों की क्षमता बढ़ाने के लिए डिजिटल व वित्तीय समावेशन, अवैतनिक देखभाल, घरेलू काम और समय की कमी : महिलाओं के बोझ को कम करने के लिए महिला समूह की संभावनाएं, 21वीं सदी के भारत में नारीवादी नेटवर्क जैसे विषय शामिल थे. इस अवसर पर मनीष कुमार साहू ने आदिवासी महिलाओं की कारीगरी से मॉडल गांव की परिकल्पना, तनुश्री महतो ने महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण में एसएचजी की भूमिका, डॉ प्रगति ने जंगल युक्त जीविका में महिलाओं की स्थिति जैसे विषयों पर अपनी बातें रखीं. इस अवसर पर सेंटर फॉर कैटलाइजिंग चेंज (सीश्री) की कार्यकारी निदेशक डॉ अपराजिता गोगोई, दी इंडियन एसोसिएशन फॉर वीमेंस स्टडीज (आइएडब्लूएस) की अध्यक्ष प्रो इशिता मुखोपाध्याय, बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन के प्रतिनिधि हरि मेनन और डॉ मैथ्यू कॉब समेत अन्य मौजूद थे.

राज्यपाल से मिलीं राय विवि की कुलपति

रांची. राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन से शुक्रवार को झारखंड राय यूनिवर्सिटी, रांची की कुलपति प्रो सविता सेंगर ने राजभवन में भेंट की. इस शिष्टाचार भेंट में कुलपति ने विवि की शैक्षणिक और प्रशासनिक गतिविधियों से अवगत कराया.

Press - Prabhat Khabar

महिलाओं को शिक्षा और कौशलयुक्त बनाने की जरुरत: सीपी राधाकृष्णन

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि देश के लिए गर्व की बात है कि हमारे देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू भी एक महिला हैं जो महिला सशक्तिकरण का एक उत्तम उदाहरण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना भी पूरे देश में इस दिशा में लिंगानुपात और बालिका शिक्षा में सुधार करने के लिए प्रयासरत है। राज्यपाल शुक्रवार को बतौर मुख्य अतिथि एक्सआईएसएस में पूर्वी भारत में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और महिला समूहों की भूमिका विषय पर आयोजित दो दिवसीय कांफ्रेंस के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। यह सम्मेलन सेंटर फॉर कैटालाइजिंग चेंज और इंडियन एसोसिएशन फॉर वीमेन स्टडीज के संयुक्त तत्वावधान में तथा बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन द्वारा आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बेहतर परिवार, समाज और राष्ट्र निर्माण के लिए प्रत्येक बालिका को उच्च शिक्षा हासिल करना अनिवार्य है। पूर्वी भारत में महिलाओं की स्थिति का उल्लेख करते कहा कि विगत कुछ वर्षों में खास कर झारखंड, बिहार, छत्तीसगढ़ और ओडिशा राज्यों में विकास संकेतकों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। उन्होंने लैंगिक समानता को आगे बढ़ाने, महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने और झारखंड में आर्थिक विकास पर स्वयं सहायता समूह के महत्वपूर्ण प्रयासों की भी सराहना की।

वहीं एक्सआईएसएस के निदेशक डॉ जोसेफ मरियानुस कुजूर एसजे ने कहा कि महिला सशक्तिकरण जीवन के सभी क्षेत्रों में महिलाओं के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक विकास के इर्द-गिर्द घूमता है। संस्थान महिला सशक्तिकरण की आवश्यकता की पहचान करता है। एक्सआईएसएस ने महिला सशक्तिकरण के मुद्दे को एक अभियान के रूप में लेने के लिए यह पहल की है।

वहीं यूएसए के मैथ्यू कॉब ने कहा कि यूएसए एक पूंजीवादी राष्ट्र होने के नाते अभी भी महिलाओं व पुरुषों को समान अधिकार देने में पीछे है। कहा कि महिलाओं को परिवार में भी उनकी बराबरी की भूमिका होनी चाहिए।

Press - Khabar Mantra

हर क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं महिलाएं : राज्यपाल

रांची/(एप्र)। राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि हमारे देश की महिलाएं प्रगति के हर क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं और अपने उल्लेखनीय योगदान से देश-विदेश में नाम रोशन कर रही हैं। वे शुक्रवार को पूर्वी भारत में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और महिला समूहों की भूमिका विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

सम्मेलन का आयोजन जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल सर्विस (एक्सआईएसएस) में सेंटर फॉर कैटलाइजिंग चेंज (सी3), जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल सर्विस (एक्सआईएसएस) एवं द इंडियन एसोसिएशन फॉर वोमेंस स्टडीज (आईएडब्लूएस) ने संयुक्त रूप से किया। राज्यपाल ने कहा कि शिक्षा व्यक्ति के

सम्मेलन को संबोधित करते राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन

सशक्तिकरण का सशक्त साधन है। इसलिए प्रत्येक बालिका को उचित शिक्षा मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि एक लड़का शिक्षा प्राप्त करता है, तो वह अकेला शिक्षित होता है लेकिन अगर किसी परिवार में एक लड़की शिक्षा ग्रहण करती है, तो पूरे परिवार को लाभ होता है।

लैंगिक भेदभाव के उन्मूलन और बालिका शिक्षा में सुधार के लिए बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना महत्वपूर्ण है।

सम्मेलन को जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल सर्विस (एक्सआईएसएस) के निदेशक डॉ. जोसेफ एम. कुजूर, सेंटर फॉर कैटलाइजिंग चेंज (सी3) की कार्यकारी निदेशक डॉ. अपराजिता गोगोई, द इंडियन एसोसिएशन फॉर वोमेंस स्टडीज (आईएडब्लूएस) की अध्यक्ष प्रो. इशिता मुखोपाध्याय व अन्य ने भी संबोधित किया।

राज्यपाल से मिली कुलपति

रांची/(एप्र): राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन से शुक्रवार को झारखंड राय यूनिवर्सिटी की कुलपति प्रो. सविता सेंगर ने राजभवन में मुलाकात की। कुलपति ने विश्वविद्यालय की शैक्षणिक और प्रशासनिक गतिविधियों से राज्यपाल को अवगत कराया।

Press - Shwet Patra

हर क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं सूबे की महिलाएं

नवीन मेल संवाददाता। रांची

राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि हमारे देश की महिलाएं प्रगति के हर क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं और अपने उल्लेखनीय योगदान से देश-विदेश में नाम रोशन कर रही हैं। वे शुक्रवार को पूर्वी भारत में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और महिला समूहों की भूमिका विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। सम्मेलन का आयोजन जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल सर्विस (एक्सआईएसएस) में सेंटर फॉर कैटलाइजिंग चेंज (सी3), जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल सर्विस (एक्सआईएसएस) एवं द इंडियन एसोसिएशन फॉर वोमेंस स्टडीज (आईएडब्लूएस) ने संयुक्त रूप से किया। राज्यपाल ने कहा कि शिक्षा व्यक्ति के सशक्तिकरण का सशक्त साधन है। इसलिए प्रत्येक बालिका को उचित शिक्षा मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि एक लड़का शिक्षा प्राप्त करता है, तो वह अकेला शिक्षित होता है लेकिन अगर किसी परिवार में एक लड़की शिक्षा ग्रहण करती है, तो पूरे परिवार को लाभ होता है। लैंगिक भेदभाव के उन्मूलन और बालिका शिक्षा में सुधार के लिए बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना महत्वपूर्ण है। सम्मेलन को जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल सर्विस (एक्सआईएसएस) के निदेशक डॉ. जोसेफ एम. कुजूर, सेंटर फॉर कैटलाइजिंग चेंज (सी3) की कार्यकारी निदेशक डॉ. अपराजिता गोगोई, द इंडियन एसोसिएशन फॉर वोमेंस स्टडीज (आईएडब्लूएस) की अध्यक्ष प्रो. इशिता मुखोपाध्याय आदि ने भी संबोधित किया।

Press - Rashtriya Naveen Mail

रांची : एक्सआईएसएस में महिला उत्थान कांफ्रेंस

शिक्षा व्यक्ति के सशक्तीकरण का सशक्त साधन : राज्यपाल

संवाददाता । रांची

जेवियर समाज सेवा संस्थान (एक्सआईएसएस) में शुक्रवार को आयोजित कार्यक्रम में राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि शिक्षा व्यक्ति के सशक्तीकरण का सशक्त साधन है. इसलिए हर लड़की को उचित शिक्षा मिलनी चाहिए. एक लड़का शिक्षा प्राप्त करता है, तो वह अकेला शिक्षित होता है, लेकिन अगर किसी परिवार में एक लड़की शिक्षा ग्रहण करती है, तो पूरे परिवार को शिक्षित करती है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा महिला सशक्तीकरण की दिशा में लैंगिक भेदभाव के दूर करने के लिए बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना महत्वपूर्ण है. महिला समूहों ने लैंगिक समानता व महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है. स्वयं सहायता समूह भी आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं. राज्यपाल एक्सआईएसएस, सी3 सक्षमा और इंडियन एसोसिएशन फॉर वुमन स्टडीज (आईएडब्ल्यूएस) के दो दिवसीय कांफ्रेंस में बोल रहे थे. मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन द्वारा प्रायोजित इकोनॉमिक एंपावरमेंट ऑफ वूमेन इन ईस्ट इंडिया एंड द रोल ऑफ वूमेंस कलेक्टिव्स कार्यक्रम में झारखंड, बिहार, छत्तीसगढ़ और ओडिशा के सामाजिक कार्यकर्ता भाग ले रहे हैं.

कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह के मौके पर राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन एवं अन्य .

संकट को संभावनाओं और सपनों को हकीकत में बदलना है :निदेशक

एक्सआईएसएस के निदेशक डॉ. जोसफ मरियानूस कुजूर एसजे ने कहा कि संस्थान महिला सशक्तीकरण की आवश्यकता की पहचान करता है. हमने अपने विजन और मिशन स्टेटमेंट में भी यह दर्शाया है. इस कांफ्रेंस के साथ हमारा उद्देश्य नीति निर्माताओं के बीच एक संवाद शुरू करना है. एक्सआईएसएस ने महिला सशक्तीकरण के मुद्दे को एक अभियान के रूप में लेने के लिए यह पहल की है. असली महिला सशक्तीकरण, संकट को संभावनाओं और सपनों को हकीकत में बदलना है.

अमेरिका भी महिलाओं को समान अधिकार देने में पीछे : वॉक्स

वहीं, अमेरिका से आए मैथ्यू कॉब के संस्थापक वॉक्स बैक टू कलेक्टिव्स ने कहा कि यूएसए एक पूंजीवादी देश होने के नाते अभी भी महिलाओं और पुरुषों के लिए समान अधिकार देने में पीछे है. उन्होंने महिलाओं के महत्व के बारे में कहा कि महिलाओं को केवल मातृत्व का ताज नहीं पहनाना चाहिए, बल्कि परिवार में भी उनकी बराबरी की भूमिका होनी चाहिए. महिलाओं की प्रगति की बहुत संभावनाएं हैं. इसके लिए हमें आगे बढ़ कर काम करने कि जरूरत है.

महिलाएं प्रगति के हर क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं

राज्यपाल ने कहा कि कई ऐसी महिलाओं ने अलग-अलग क्षेत्रों में कीर्तिमान स्थापित किया है. आज हमारे देश की महिलाएं प्रगति के हर क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं. अपने योगदान से देश-विदेश में नाम रौशन कर रही हैं. उन्होंने कहा कि हमारी प्राचीन सभ्यता-संस्कृति में भी महिलाओं का बहुत आदर व सम्मान था. महिलाएं हमेशा हमारे सामाजिक, सांस्कृतिक और शैक्षणिक और विकास की रीढ़ रही है. सभी प्रकार के विकास के लिए महिला और पुरुष दोनों का सशक्त होना बहुत आवश्यक है.

Press - Shubham Sandesh

न्यूज अरोमा

न्यूज़ अरोमा | 11 hours ago | 11 hours ago |
Saveit
Last updated: 23/03/17

#image_title

रांची: राज्यपाल CP राधाकृष्णन (Governor CP Radhakrishnan) ने कहा कि हमारे देश की महिलाएं प्रगति के हर क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं और अपने उल्लेखनीय योगदान से देश-विदेश में नाम रोशन कर रही हैं।

Press - News Aroma

ranchiupdates
Ranchi, Jharkhand

Liked by **kaushik.ameesha** and **425 others**

ranchiupdates माननीय राज्यपाल ने आज एक्सआईएसएस, राँची में 'पूर्वी भारत में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और महिला समूहों की भूमिका' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण हेतु महिलाओं का सामाजिक-आर्थिक-शैक्षणिक विकास होना नितांत आवश्यक है।

Press - Ranchi Updates

Ranchi News: Governor CP Radha Krishnan said in a program organized at XISS Ranchi, private organizations should come forward to connect women with employment

Published on: 11 hours ago

Continuous efforts are being made to make women self-reliant and empowered in the country. Regarding this, a program was organized in Jharkhand's famous educational institution Ranchi's XISS. In which Governor CP Radha Krishnan participated as the chief guest. During this, the speakers emphasized on empowering women financially.

Press - ETV Bharat